लेखक परिचय : केदारनाथ सिंह

नाम : केदारनाथ सिंह

जन्म : 7 जुलाई 1934

जन्म-स्थान : बलिया ज़िला, उत्तर प्रदेश

निधन : 19 मार्च 2018

केदारनाथ सिंह आधुनिक हिंदी कविता के प्रमुख कवियों में गिने जाते हैं। वे **नई कविता आंदोलन** के सशक्त हस्ताक्षर थे। उनकी कविताओं में **ग्रामीण जीवन, स्मृति, प्रकृति, साधारण मनुष्य और आत्मीय अनुभवों** की गहरी अभिव्यक्ति मिलती है। उनकी रचनाएँ जीवन की छोटी-छोटी घटनाओं को गहरे अर्थ देती हैं।

🎓 शिक्षा एवं कार्य

केदारनाथ सिंह ने उच्च शिक्षा प्राप्त की और हिंदी साहित्य के अध्यापक के रूप में कार्य किया। वे लंबे समय तक **जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (JNU), दिल्ली** में हिंदी विभाग से जुड़े रहे। अध्यापन के साथ-साथ उन्होंने आलोचना और कविता–दोनों क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

🖊️ भाषा-शैली

केदारनाथ सिंह की भाषा **सरल, सहज और बोलचाल के बहुत करीब** है। वे कठिन शब्दों से बचते हैं और आम आदमी की भाषा में गहरी बात कह देते हैं। उनकी कविताओं में **बिंब, प्रतीक और स्मृति-तत्व** का सुंदर प्रयोग मिलता है। उनकी शैली शांत, आत्मीय और संवेदनशील मानी जाती है।

📚 प्रमुख काव्य-संग्रह

- अभी बिलकुल अभी
- ज़मीन पक रही है
- यहाँ से देखो
- अकाल में सारस
- बात चीत

SOLANKI SIR

🏆 सम्मान एवं साहित्यिक स्थान

केदारनाथ सिंह को उनके साहित्यिक योगदान के लिए कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। उन्हें **ज्ञानपीठ पुरस्कार** से भी अलंकृत किया गया। हिंदी कविता में उनका स्थान **संवेदनशील अनुभवों के कवि** के रूप में अत्यंत महत्वपूर्ण है।

✨ निष्कर्ष

केदारनाथ सिंह की कविता **मनुष्य, समाज और स्मृति** के गहरे संबंधों को उजागर करती है। उनकी रचनाएँ पाठक को सोचने पर मजबूर करती हैं और आधुनिक हिंदी कविता को एक नई दृष्टि प्रदान करती हैं।

SOLANKI SIR